<u>प्रेस-विज्ञप्ति</u>

<u>पीएफसी द्वारा आरईसी लिमिटेड में बहुमत स्टेक के अधिग्रहण हेतु करार पर हस्ताक्षर</u>

नई दिल्ली; दिनांक 20.03.2019: आज पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) ने भारत के माननीय राष्ट्रपति से आरईसी लिमिटेड के प्रत्येक 10/- रुपए के 103.94 करोड़ इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण हेतु शेयर खरीद करार पर हस्ताक्षर किए, जिसमें आरईसी लिमिटेड की 52.63% प्रदत्त शेयर पूंजी शामिल है। यह पीएफसी द्वारा हासिल किया गया एक प्रमुख माइलस्टोन है, जो अब आरईसी लिमिटेड की प्रमोटर और होल्डिंग कंपनी बनने जा रही है।

प्रबंधन नियंत्रण के हस्तांतरण के साथ भारत के माननीय राष्ट्रपति (विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से कार्यशील) द्वारा धारित आरईसी की 52.63% प्रदत्त इक्विटी शेयरधारिता की पीएफसी को कार्यनीतिक बिक्री के लिए आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा दिनांक 6 दिसंबर, 2018 को प्रदान किए गए सैद्धांतिक अनुमोदन के अनुपालन में आरईसी लिमिटेड का अधिग्रहण किया गया था।

पीएफसी और आरईसी दोनों ही नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम हैं, जिनका संयुक्त वार्षिक राजस्व लगभग 50,000 करोड़ रुपए है और यह अधिग्रहण समान प्रकृति के काम करने वाली कंपनियों के समेकन की ओर एक कदम है।

ट्रांजेक्शन के लिए पीएफसी शेयरधारकों के अनुमोदन के बाद, पीएफसी के निदेशक मंडल ने ट्रांजेक्शन पर विचार किया और आरईसी लिमिटेड में भारत के माननीय राष्ट्रपति की 52.63% शेयरधारिता के अधिग्रहण के लिए अनुमोदन प्रदान किया, जिसकी कुल अधिग्रहण लागत लगभग 14,500 करोड़ रुपए है तथा प्रति शेयर 139.50 रुपए की नगद खरीद के लिए विचारार्थ है। दिनांक

19 मार्च, 2019 को आरईसी का क्लोजिंग मूल्य प्रति शेयर 148.40 रुपए था। दिनांक 28 मार्च, 2019 को ट्रांजेक्शन का भुगतान किए जाने की उम्मीद है और इसके लिए निधि की व्यवस्था पहले से ही पीएफसी द्वारा कर ली गई है।

इस अधिग्रहण से दोनों संस्थानों में ऋण देने की प्रक्रियाओं और नीतियों में दक्षता बढ़ेगी और विद्युत क्षेत्र को बेहतर ऋण उत्पाद प्रदान करके सार्वजनिक मूल्य का सृजन होगा। संयुक्त समूह एंटिटीयों के रूप में एंटिटीयों के बीच अभिसरण से विद्युत क्षेत्र को आरईसी की विकेन्द्रीकृत पहुँच और पीएफसी की पेशेवर परियोजना संबंधी वित्तीय विशेषज्ञता से लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त, समूह की परिसंपत्तियों का आगामी विविधीकरण और साथ ही पोर्टफोलियो जोखिम द्वारा समूह के तनावग्रस्त क्षेत्र की परिसंपत्तियों को बेहतर और समन्वित तरीके से हल किया जा सकेगा।

अधिग्रहण ट्रांजेक्शन के लिए, डेलॉयट टच तोहमात्सू इंडिया एलएलपी (Deloitte Touche Tohmatsu India LLP) ट्रांजेक्शन सलाहकार है, एल एंड एल पार्टनर्स (पूर्ववर्ती लूथरा एंड लूथरा लॉ ऑफिसिज) कानूनी सलाहकार है और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड मूल्यांकनकर्ता है।